हमें तुमसे मोहब्बत है

हमें तुमसे मोहब्बत है, ये तुम जानो या हम जानें,
ये गहरा राज़ दुनियां में, या तुम जानो या हम जानें।

किसी दिन लाज़मी महकेगी खुशबू रातरानी की,
ये किस आँगन से आती है, ये तुम जानो या हम जानें।

समंदर कब तलक रोकेगा अपने राज़ सीने में,
मनेगी पूर्णमासी अब ये तुम जानो या हम जानें।

हवा चिंगारियों को देना ये दुनियां की फितरत है,
बुझाना आग सीने की ये तुम जानो या हम जानें।

सियासत के ज़माने में रियासत तक लुटा डाली,
हमारी दिल्लगी का राज़ तुम जानो या हम जानें।

www.priyankdubey.com